RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 170
दि. 19.10.2025,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.
Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

मिसाइलों की पहली खेप रवाना, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और सीएम योगी ने दिखाई हरी झंडी

लखनऊ , (जीएनएस)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित ब्रह्मोस एयरोस्पेस यूनिट में तैयार की गई ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. ये दिन यूपी डिफेंस कॉरिडोर के लिए मील का पत्थर साबित होगा. वहीं रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता को नई उड़ान भी देगा.

सीएम योगी ने इस कार्यक्रम में कहा कि पीएम मोदी के स्वदेशी कार्यक्रम के तहत इस ब्रह्मोस एयरोस्पेस इकाई के कार्यक्रम को किया जा रहा है. ब्रह्मोस मिसाइल भारत की आत्मनिर्भरता को दशार्ता है. इसके तहत भारत अपनी रक्षा तो करेगा ही साथ ही अपने मित्र देशों का भी साथ देगा. पीएम मोदी ने इसके लिए लखनऊ को चुना इसके लिए उनका अभिनन्दन है.

मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षा मंत्री के सानिध्य में ब्रह्मोस मिसाइल का जो यह केंद्र लखनऊ में विकसित हुआ है यह देश के साथ साथ लखनऊ को समृद्ध करेगा. ब्रह्मोस मिसाइल का यह कार्यक्रम भारत की आत्म निभर्रता को दशार्ता है. इसके तहत 15000 से अधिक नौजवानों को नौकरी भी मिली है.

रक्षा क्षेत्र में आत्म निर्भर बनेगा भारत

ब्रह्मोस भारत की रक्षा आवश्यकताओं में आत्मनिर्भरता की मिसाइल है. ब्रह्मोस से भारत अपने साथ अपने मित्र देशों की सुरक्षा में सक्षम है. ढट मोदी ने देश में दो डिफेंस कॉरिडोर की घोषणा की थी. प्रधानमंत्री ने एक उत्तर प्रदेश में भी डिफेंस कॉरिडोर की घोषणा की आज प्रदेश के सभी 6 औद्योगिक कॉरिडोर में डिफेंस यूनिट लग रही है.

रक्षा कॉरिडोर बनने से मिलेगा रोजगार

लखनऊ में बनी मिसाइल देश की सुरक्षा का आश्वासन है. ब्रह्मोस यूनिट से सुरक्षा के साथ सैकड़ों युवाओं को रोजगार मिल रहा है. यही आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला है. लखनऊ में ब्रह्मोस, अमेठी में अड– 203 झांसी में इञ्ऋ जैसी यूनिट में रोजगार मिला. ब्रह्मोस यूनिट से मुझे अभी 40 करोड़ की ऋृळ का चेक भी मिल गया है.

सीएम योगी ने का कि हमें आने वाले दिनों में हर वर्ष ब्रह्मोस से डेढ़ दो सौ करोड़ रुपए की ऋृळ भी मिलेगी. झांसी में 56 हजार एकड़ जमीन नए कॉरिडोर के लिए विकसित कर रहे है. रक्षा विभाग को जहां जमीन चाहिए यूपी सरकार सहर्ष जमीन मुहैया कराएगी.

पकिस्तान की एक-एक इंच अब हमारे ब्रह्मोस मिसाइल से दूर नहीं- राजनाथ सिंह

ब्रह्मोस एयरोस्पेस इकाई के कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ब्रह्मोस ने अपनी ताकत दिखा दी है. ऑपरेशन सिंदूर ने अब यह साबित कर दिया है कि हमारे लिए जीत अब आदत बन गई है. पकिस्तान की एक-एक इंच अब हमारे ब्रह्मोस मिसाइल से दूर नहीं है. ऑपरेशन सिंदूर ने यह दिखा दिया है कि अगर भारत पाकिस्तान की जन्म दे सकता है तो उसको अब मैं आगे नहीं कहूंगा आगे आप सभी समझ जाइए. रक्षा मंत्री ने कहा कि जिस उत्तर प्रदेश को पहले केवल पिछड़ेपन और गुंडाराज के लिए जाना जाता था उसको आज तरक्की के लिए जाना जाता है, यह सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया है.

प्रधानमंत्री ने एनडीटीवी वर्ल्ड समिट 2025 को सम्बोधित किया सभी नागरिकों की दीवाली की शुभकामनायें दीं

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली में एनडीटीवी वर्ल्ड समिट 2025 में अपने संबोधन की झलकियाँ साझा कीं। प्रधानमंत्री ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। श्री मोदी ने सभी नागरिकों को दिवाली की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि एनडीटीवी वर्ल्ड समिट उत्सव के माहौल में आयोजित हो रहा है। उन्होंने सत्र के विषय - "अजेय भारत" की सराहना की और कहा कि यह वास्तव में उपयुक्त है, क्योंकि आज भारत रुकने के मूड में नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा, "भारत न रुकेगा, न कुछ देर रुक कर विश्राम करेगा , 140 करोड़ भारतीय एक साथ तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।"

श्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट की श्रृंखला में कहाः

"बीते 11 वर्षों में भारत ने हर आशंका को ध्वस्त और हर चुनौती को पस्त किया है। यही वजह है कि आज हर सेक्टर में आत्मनिर्भर हो रहे भारत का आत्मविश्वास दिख रहा है।"

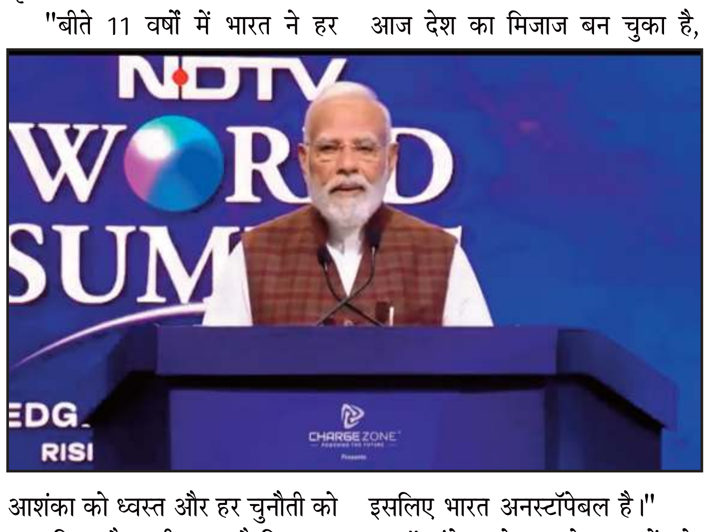

"हर आकलन से बेहतर करना आज देश का मिजाज बन चुका है, इसलिए भारत अनस्टॉपेबल है।"

"कांग्रेस ने अपने दशकों के शासन में हमेशा Policy और Process के सरकारीकरण पर जोर दिया, जबकि बीते 11 वर्षों में हमने लगातार लोकतंत्रीकरण का काम किया है। बैंकिंग सहित कई सेक्टर की मजबूती इसी का परिणाम है।"

"BSNL का मेड इन इंडिया 4G स्टैक का लॉन्च हो या हाई-स्पीड कनेक्टिविटी पर आधारित ई-संजीवनी सेवा, इनसे पता चलता है कि गरीबों और वंचितों का जीवन बेहतर बनाने के लिए हम किस संवेदनशीलता के साथ काम कर रहे हैं।"

"हमारा जोर देशवासियों का जीवन आसान बनाने के साथ उनकी बचत बढ़ाने पर भी है। इनकम टैक्स और जीएसटी में भारी कटौती इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है।"

दीये-मोमबत्ती पर खर्चा करने के बजाय', दिवाली पर अयोध्या में दीपोत्सव से पहले अखिलेश ने उगला जहर, भड़की भाजपा

(जीएनएस)।

भगनान राम की नगरी अयोध् या एक बार फिर दीपावली के पर्व पर करोड़ों दीपक जलाकर एक बार फिर विश् व रिकॉर्ड बनाने को तैयार है। जोर-शोर से चल रही दीपोत्सव समारोह की तैयारियों के बीच समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के एक बयान ने विवाद खड़ा कर दिया है।

दरअसल, अखिलेश यादव ने दीपोत् सव और दीपावली में दीये और मोमबत्तियां जलाने को लेकर विवादित बयान दिया। जिस पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तुरंत पलटवार किया है। भाजपा ने कहा समाजवादी पार्टी का इतिहास राम मंदिर आंदोलन का विरोध करने और हिंदू विरोधी बातें फैलाने का रहा है।

लखनऊ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अखिलेश यादव से पत्रकारों ने सवाल किया कि अयोध्या दीपोत्सव में इस बार दीयों की जगह मोमबत्तियां जलाई जाएंगी और उनकी संख्या भी कम हो गई है, इस पर उनकी क्या राय है?

इस सवाल के जवाब में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, "मैं कोई सुझाव नहीं देना चाहता, लेकिन भगवान राम के नाम पर एक सुझाव जरूर देना चाहता हूं। पूरी दुनिया में क्रिसमस के दौरान सभी शहर जगमगा उठते हैं और यह सिलसिला महीनों तक चलता है। हमें उनसे सीखना चाहिए। हमें दीयों और मोमबत्तियों पर खर्च क्यों करना और इतना क्यों दिमाग लगाना?

योगी सरकार पर तंज कसते हुए किया ये दावा

इसके साथ ही अखिलेश यादव ने योगी सरकार और अयोध्या दीपोत्सव पर तंज कसते हुए कहा हम इस सरकार से क्या उम्मीद कर सकते हैं? इसे हटा देना चाहिए। हमारी सरकार आएगी तो बहुत सुंदर रोशनी कराएंगे हम लोग।"

भाजपा बोली- राम भक्तों पर गोली चलाने वाली सपा...

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने अखिलेश यादव के इस बयान कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा, "राम मंदिर आंदोलन का विरोध करने, अयोध्या को वर्षों तक अंधेरे में रखने और यहां तक कि राम भक्तों पर गोलियां चलवाने पर गर्व महसूस करने वाली पार्टी अब दीपोत्सव के लिए शहर की सजावट का विरोध कर रही है।"

पूनावाला ने आगे कहा कि जब समाजवादी पार्टी ने सैफई में जश्न मनाया, जिससे आम लोगों को कोई फायदा नहीं हुआ, तो उन्हें गर्व महसूस हुआ। लेकिन अयोध्या में, जहां हजारों छोटे-मोटे दुकानदार रोजी-रोटी कमा रहे हैं, कुछ लोग असंतोष जाहिर कर रहे हैं।

अयोध्या में दीपोत्सव का यह 9वां संस्करण है। दीपावली से एक दिन पहले, 19 अक्टूबर को सरयू नदी के किनारे 56 घाटों पर 26,11,101 दीयों की रोशनी के साथ यह आयोजन अपने चरम पर पहुंचेगा।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट-रोड नेटवर्क द्वारा विकसित गुजरात से साकार करने की दिशा में 124 कार्यों के लिए 7737 करोड़ रुपए आवंटित किए

गांधीनगर, 18 अक्टूबरःमुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर को अधिक संगीन तथा सुविधायुक्त बनाकर ईज ऑफ ट्रांसपोर्टेशन से विकसित गुजरात द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने का दृढ़ निश्चय किया है।

मुख्यमंत्री ने इस उद्देश्य से सड़क एवं भवन विभाग को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत कुल 124 कार्यों के लिए 7737 करोड़ रुपए आवंटित करने का निर्णय किया है।

उन्होंने विकास के लिए सड़कों व पुलों की महत्ता को ध्यान में लेते हुए सड़क एवं भवन विभाग को समग्र गुजरात को सुविधापूर्ण एवं सुरक्षित सड़क मार्गों की कनेक्टिविटी द्वारा सुदूरवर्ती क्षेत्रों तक सुदृढ़ सड़कों का नेटवर्क प्रदान करने के दिशा-निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने राज्य में भारी ट्रैफिक वाले सड़क मार्गों को गरवी गुजरात हाईस्पीड कॉरिडोर के रूप में विकसित कर अधिक सरल, सुरक्षित तथा तेज परिवहन के योग्य बनाने के लिए 809 किलोमीटर लंबे 9 गरवी गुजरात हाईस्पीड कॉरिडोर के निमार्णार्थ 5576 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं।

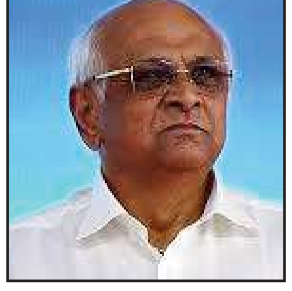

तद्अनुसार; बगोदरा-धंधुका-बरवाळा-बोटाद के 92.23 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर के लिए 67.43 करोड़ रुपए, बोटाद-ढसा-चावंड-अमरेली-बगसरा-बिलखा-मेंदरडा के 67.30 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर के लिए 158.6 करोड़ रुपए, मेंदरडा-केशोद-मांगरोळ के 48.55 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर के लिए 81.38 करोड़ रुपए, उंझा-पाटण-शिहोरी-दियोदर-भाभर के 105.05 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर के लिए 858.39 करोड़ रुपए, करजण-डभोई-बोडेली के 71.10 किलोमीट लंबे कॉरिडोर के लिए 331.16 करोड़ रुपए, दहेगाम-बायड-लुणावाडा-संतरामपुर-झालोद के 167.54 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर के लिए 1514.41 करोड़ रुपए, अहमदाबाद-हरसोल-गांभोई-विजयनगर के 143.30 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर के लिए 640.30 करोड़ रुपए, संतरामपुर-मोरवा हडफ-संत रोड के 49.90 लंबे कॉरिडोर के लिए 861.71 करोड़ रुपए तथा संत रोड-देवगढ बारिया-छोटा उदेपुर के 64.05 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर के लिए 1062.82 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं।

इन नए हाईस्पीड कॉरिडोर का निर्माण होने से परिवहन अधिक तेज बनेगा तथा पीएम गतिशक्ति अंतर्गत लॉजिस्टिक्स कार्यक्षमता में सुधार होगा और खर्च में उल्लेखनीय कमी आएगी।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने उतर प्रदेश के देवरिया में किया किसान मेले का उद्घाटन

(जीएनएस)।

देवरिया जनपद के आचार्य नरेंद्र देव इंटर कॉलेज, पथरदेवा में आज भारतीय जनसंघ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार में पूर्व मंत्री स्व. रविंद्र किशोर शाही की 43वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा के साथ ही आयोजित दो दिवसीय कृषि मेला, स्वास्थ्य शिविर और प्रदर्शनी का उद्घाटन केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने स्व. शाही जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

यहां अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने कहा कि स्व. रविंद्र किशोर शाही जी भारतीय जनसंघ के उन प्रखर नेताओं में से थे, जिन्होंने संगठन की नींव गांव-गांव तक मजबूत की। स्व. शाही जी ने राजनीति को सेवा का माध्यम बनाया और अपने जीवन को समाजसेवा एवं राष्ट्रहित के कार्यों के लिए समर्पित किया। वे कर्मठ संगठनकर्ता, संवेदनशील समाजसेवी और सच्चे जननेता थे, जिनके विचार आज भी कार्यकताओं को प्रेरणा प्रदान करते हैं। श्री शिवराज सिंह ने कहा कि स्व. शाही जी ने किसानों, मजदूरों, युवाओं और आम नागरिकों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं शुरू की। उन्होंने जनसंघ तथा बाद में भारतीय जनता पार्टी के संगठन को निचले स्तर तक विस्तारित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में, आत्मनिर्भर भारत निर्माण की दिशा में हो रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा सरकार किसानों को सशक्त बनाने और कृषि क्षेत्र को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि स्व. शाही जी का सपना 'आत्मनिर्भर किसान और सशक्त भारत' था, जिसे साकार करने की दिशा में केंद्र सरकार लगातार कार्य कर रही है।

श्री शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों के हितों के विरुद्ध काम करने वाले, गड़बड़ियां करने वाले और खराब बीज बेचने वाले सावधान हो जाएं, इनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि हम कड़ा कानून और बड़ा कानून लाएंगे। यदि कोई कंपनी किसानों को ठगने की कोशिश करेगी तो उसे छोड़ा नहीं जाएगा।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित दाम मिले, इसके लिए हमने नई टरढ घोषित की है। उन्होंने सभी से अपील की कि प्राकृतिक खेती को अपनाकर आने वाली पीढ़ियों के लिए भी धरती और माटी की सुरक्षा करें। इसके लिए अधिक उर्वरक और कीटनाशक दवाओं के प्रयोग से बचना होगा।

श्री शिवराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का संकल्प है कि कोई भी गरीब कच्चे घरों में नहीं रहेगा। इसके लिए केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय पूरी मजबूती के साथ योजनाबद्ध रूप से काम कर रहा है और गरीबों के घर बनाए जा रहे हैं। इसी के साथ, कोई बहन गरीब नहीं रहेगी, आजीविका मिशन से जुड़ी दीदियों को लखपति दीदी बनाना है, जिसके लिए भी मंत्रालय मिशन बतौर तेजी से काम कर रहा है।

इस अवसर पर केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री कमलेश पासवान, उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही, राज्य मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम, देवरिया के सांसद श्री शशांक मणि त्रिपाठी, कुशीनगर के सांसद श्री विजय कुमार दुबे, सदर विधायक श्री शलभ मणि, भाजपा के जिलाध्यक्ष श्री भूपेंद्र सिंह समेत अन्य जनप्रतिनिधि, स्थानीय अधिकारी, विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि, किसान भाई-बहन, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

सम्पादकीय

हर धार्मिक त्यौहार लाभकारी

दीपावली पर्व के पूर्व धनतेरस के अवसर पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, नोएडा और गाजियाबाद की सड़वें निजी वाहनों से भरी पड़ी हैं। जाम इतना भयंकर लगा हुआ है कि कारें, मोटरसाइकिल, बसें सभी रेंग रही हैं। इस जाम में यदि मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाने के लिए एम्बुलेंस पंस जाए तो मरीज की जान बच पाना असंभव है।

दरअसल धार्मिक त्यौहारों को सामाजिक प्रातिष्ठा से जोड़कर जब से व्यवसायीकरण हुआ तभी से भीड़भाड़ और चमक दमक की नईं संस्वृति की शुरूआत हुईं है।

अर्थव्यवस्था के लिए तो हर धार्मिक त्यौहार लाभकारी ही सिद्ध होता किन्तु दीपावली का महत्व विशेष होता है। जहां तक ट्रैफिक जाम का सवाल है तो इसके दो ही कारण होते हैं, पहला यह कि सड़कों का टोटा हो और दूसरा यह है कि अप्रात्याशित रूप से निजी वाहन सड़कों पर आ जाएं। भारत में सड़कों की तो कमी है नहीं बल्कि तुलनात्मक दृष्टि से दस साल पहले की अपेक्षा आज देश भर में सड़कों का जाल बढ़ा है। इसका मतलब है कि सड़कों पर निजी वाहनों की संख्या निरंतर बढ़ रही हैं। इसका स्पष्ट संकेत है कि प्रात्यक्ष रूप से भारत में समृद्धि लगातार बढ़ रही है। इसलिए त्यौहारों में खरीददारी भी बढ़ रही है। यह तो संतोष एवं सुखद है कि दीपावली में लोग अपने स्वजनों एवं मित्रों को उपहार भेंट करने के लिए खुद ही निकल पड़ते हैं और यह जानते हुए कि सड़कों पर चलना अत्यन्त मुश्किल है। मजे की बात तो यह है कि जो लोग भी ट्रैफिक जाम में पंसते हैं, वह इस बात को अच्छी तरह जानते हैं कि त्यौहारों में ट्रैफिक मैनेजमेंट की पोल-पट्टी खुल जाती है, फिर भी वह सार्वजनिक परिवहन के बजाए अपने ही वाहन का इस्तेमाल करते हैं। आज कल इतनी सुविधाएं हो चुकी हैं कि बिना घर से निकले भी उपहार अपने सहृदयों को भेजना संभव है। यदि उपहार भेजना ही है तो तमाम ऐप मौजूद हैं, उनका इस्तेमाल करना चाहिए। संभव है, इससे सड़कों पर त्यौहारों का उपहार बांटने वालों की संख्या में कमी आ जाए।

सड़कों की सुविधाएं जैसे-जैसे बढ़ रही हैं, भीड़ भी बढ़ती जा रही हैं, तो सरकार के लिए बहुत बड़ी चुनौती इस बात की है कि आखिर जरूरतों का आंकलन करके जाम से मुक्ति दिलाने के तरीकों का सुचारू इस्तेमाल वैसे करें। हो सके तो इसनी संदर्भ में विज्ञापन का प्रासारण करें जिसमें इस बात का उल्लेख हो कि उपहार देने के लिए पोर्टर या ऐप का इस्तेमाल करें। और यात्रा अपरिहार्य हो तो सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें। इस विज्ञापन को सरकार प्राकाशित एवं प्रासारित कराए ताकि लोगों में यह भावना पैदा हो कि त्यौहार के कारण सड़कों पर जाम की वजह से वाहन में ज्यादा खपत तेलों की होती ही है, साथ ही वाहन यात्रियों की सुरक्षा भी प्राभावित होती है।

बहरहाल जरूरत के मुताबिक सड़कों का विस्तार तो हो रहा है या यूं कहा जा सकता है कि हो गया है किन्तु जब तक लोगों में इस बात की चेतना नहीं आएगी कि उसके भी सुचारू ट्रैफिक के लिए वुछ कर्तव्य हैं, तब तक ट्रैफिक संतुलन संभव नहीं है। इसी तरह सड़कों पर निकली कारें, मोटरसाइकर्लो सड़कों पर रेंगेंगी और लोग घंटो जाम में पंसे रहेंगे। इसलिए सुचारू ट्रैपिक के लिए नागरिकों में कर्तव्य बोध का होना अनिवार्य है। यह कर्तव्य बोध देश के राष्ट्रीय चरित्र में शामिल होने के बाद ही ट्रैफिक जाम पर नियंत्रण हासिल किया जा सकता है। लब्बोलुआब यह है कि नागरिक अपना कर्तव्य समझें और सरकार समाज में जागरूकता लाने के लिए सव्रियता पैदा करने का प्रायास करें। समय के साथ प्राथाओं का प्राचलन स्वीकार करें। देश के नागरिकों को स्वीकार करना होगा कि सड़कों पर लगे जाम से मुक्ति दिलाने के लिए ट्रैफिक पुलिस सक्षम नहीं है बल्कि नागरिकों का कर्तव्य बोध ही सक्षम है।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने गोरखपुर के ग्राम डुमरीखुर्द में लगाई 'ग्राम चौपाल'

बड़ी संख्या में किसान भाई-बहनों, स्वयं सहायता समूह की दीदियों, पंचायत प्रतिनिधियों ने की भागीदारी

केंद्रीय मंत्री ने किसान भाई-बहनों से खेती के अलावा पशुपालन, मत्स्यपालन और मधुमक्खी पालन को अपनाने का आह्वान किया

जनता और मंत्री मिलकर काम करे तो व्यापक बदलाव आ सकता है: श्री शिवराज सिंह चौहान

कृषि यंत्रों पर जीएसटी दरों में सुधार से किसानों को सीधा आर्थिक लाभ मिलाः श्री चौहान

(जीएनएस)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज गोरखपुर, उत्तर प्रदेश के ग्राम डुमरीखुर्द में आयोजित 'ग्राम चौपाल' में ग्रामीण भाई-बहनों के साथ संवाद किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण निवासी, किसान भाई-बहन, स्वयं सहायता समूह की दीदियों और पंचायत प्रतिनिधियों ने भागादारी की।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों के हित में केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार के संयुक्त प्रयासों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि सरकार उत्पादन बढ़ाने, बेहतर बीज उपलब्ध कराने और लागत घटाने के लिए लगातार कदम उठा रही है। केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत फसल के नुकसान की भरपाई का आश्वासन दिया। उन्होंने किसानों से बातचीत करते हुए प्रमुख फसलों, उत्पादन लागत और स्थानीय खाद्य की दुकानों की आवश्यकता जैसे मुद्दे की भी जानकारी ली।

श्री चौहान ने केंद्र सरकार के दलहन आत्मनिर्भरता मिशन के तहत मसूर और चना के उत्पादन बढ़ाने की पहल से अवगत कराया और किसानों के सुझाव भी मांगे। उन्होंने बताया कि इस वर्ष केंद्र सरकार ने रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (टरढ) में वृद्धि की है जिससे किसानों को लाभ होगा। विशेष रूप से गेहूं, चना, मसूर और सरसों की एमएसपी में वृद्धि की जानकारी भी दी।

श्री शिवराज सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जीएसटी दरों में सुधार के बाद कृषि यंत्रों पर जीएसटी 12% और 18% से घटाकर 5% कर दी गई है, जिससे किसानों को सीधा आर्थिक लाभ मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने किसान भाई-बहनों को खेती के अलावा पशुपालन, मत्स्यपालन, मधुमक्खी पालन और बागवानी के लिए भी प्रेरित किया। पशुओं के टीकाकरण के लिए चल रही सरकारी योजनाओं की जानकारी भी साझा की।

इस 'ग्राम चौपाल' में बड़ी संख्या में किसान, स्वयं-सहायता समूह की दीदियां और पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित थे, जिन्होंने केंद्रीय मंत्री श्री चौहान से अपनी समस्याएं और सुझाव साझा किए। कार्यक्रम के अंत में श्री शिवराज सिंह चौहान ने ग्रामीण विकास और कृषि समृद्धि के लिए सभी से सहयोग एवं भागीदारी की अपील की।

मिशन मोड में प्रगतिः डाक विभाग में विशेष अभियान 5.0 के मध्य चरण तक की उपलब्धियां

(जीएनएस)।

संचार मंत्रालय के अंतर्गत डाक विभाग ने देश भर के डाक प्रतिष्ठानों में क्रियान्वित किए जा रहे विशेष अभियान 5.0 के मध्य चरण तक उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है।

इस अभियान का उद्देश्य स्वच्छता को संस्थागत बनाना, लंबित मामलों को कम करना तथा कुशल रिकॉर्ड प्रबंधन को बढ़ावा देना है। इस अभियान में डाक सर्किलों, क्षेत्रीय कार्यालयों, डाक प्रभागों, छंटाई कार्यालयों तथा प्रधान डाकघरों से लेकर शाखा डाकघरों तक सभी स्तरों के डाकघरों से उत्साहपूर्ण भागीदारी प्राप्त हुई है।

अभियान के अंतर्गत अब तक हुई प्रगति इस प्रकार हैः

- स्वच्छता अभियानः कुल 1,25,000 में से लगभग 47,358 डाक स्थलों को स्वच्छता गतिविधियों के अंतर्गत कवर किया गया है। इससे स्वच्छ, बेहतर रूप से संगठित और अधिक नागरिक-अनुकूल वातावरण सुनिश्चित हुआ है।
- डाक चौपालः डाक चौपाल नागरिक-केंद्रित पहल है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी सेवाएं नागरिकों के द्वार तक पहुंचें, अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें और सामुदायिक सहभागिता के प्रति प्रतिबद्धता के साथ प्रभावी सेवा वितरण को बढ़ावा दें। अब तक देश भर में लगभग 4,952 डाक चौपालों का आयोजन किया जा चुका है।
- लंबित फाइलों की छंटाई/निपटानः लगभग 32,249 भौतिक फाइलों की समीक्षा की गई है और 7,611 फाइलों को छांट दिया गया है या बंद कर दिया गया है। इससे कार्यालय की दक्षता में सुधार हुआ है।
- लोक शिकायत निवारणः 57,961 से अधिक लंबित लोक शिकायतों और अपीलों का समाधान किया गया है। इससे उत्तरदायी शासन के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता मजबूत हुई है।
- स्थान प्रबंधनः रिकॉर्ड प्रबंधन/डिजिटलीकरण और अप्रचलित सामग्रियों को हटाने के माध्यम से लगभग 13,049 वर्ग फुट स्थान खाली किया गया है।
- स्क्रैप निपटान से राजस्वः अनुपयोगी वस्तुओं और स्क्रैप सामग्री की बिक्री से 32,48,216 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

सौंदर्यीकरण अभियान के तहत, देश भर के डाकघरों ने अपने परिसरों को स्वच्छता, डाक विरासत और जन जागरूकता के विषयों को दशार्ती जीवंत दीवार कलाकृतियों से सजाया है । इन रचनात्मक प्रदर्शनों ने न केवल कार्यालय परिसरों के सौंदर्य को बढ़ाया है, बल्कि नागरिकों और कर्मचारियों के बीच स्वच्छता का संदेश फैलाने के प्रभावी माध्यम के रूप में भी काम किया है।

इसके अलावा, सर्किल्स ने "बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट" के भाग के रूप में अपशिष्ट पदार्थों से सजावटी वस्तुएं बनाने में गहरी रुचि ली है। साथ ही रीसाइक्लिंग और अपसाइक्लिंग के महत्व पर जोर दिया है।

अभियान का दूसरा भाग अब तक प्राप्त लाभों को समेकित करने, स्वच्छता प्रथाओं की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने तथा डाक विभाग में जवाबदेही और दक्षता की संस्कृति को मजबूत करने पर केंद्रित होगा।

'कांताराः चैप्टर 1' की जबरदस्त सफलता पर अभिनेता ऋषभ शेट्टी पहुंचे बिहार में स्थित दुनिया के सबसे पुराने मुंडेश्वरी मंदिर!

फिल्म अभिनेता ऋषभ शेट्टी पहुंचे दुनिया के सबसे पुराने मुंडेश्वरी मंदिर, कांताराः चैप्टर 1 की सफलता के लिए कहा धन्यवाद

क्या आपको पता था कि दुनिया का सबसे पुराना मंदिर बिहार में स्थित है।

मुम्बई, होम्बले फिल्म्स की कांताराः चैप्टर 1 लगातार सफलता के नए रिकॉर्ड बना रही है। हर गुजरते दिन के साथ इसकी लोकप्रियता और बढ़ती जा रही है। देशभर के दर्शकों से मिल रहे जबरदस्त प्यार और तारीफों के बीच, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है और अपनी जगह एक बड़ी हिट के रूप में पक्की कर चुकी है।

फिल्म की लगातार चल रही जबरदस्त सफलता के बीच, ऋषभ शेट्टी दुनिया के सबसे पुराने मंदिर, मुंडेश्वरी मंदिर, पहुंचे। फिल्म को

भारी सफलता मिल रही है, ऐसे में ऋषभ शेट्टी ने इस जबरदस्त रिस्पॉन्स के लिए भगवान का धन्यवाद अर्पित करने के लिए उनका आशीर्वाद लिया। उन्होंने माता मुंडेश्वरी का अभिषेक भी किया और मंदिर की आध्यात्मिक ऊर्जा को महसूस किया।

कांताराः चैप्टर 1 होम्बले फिल्म्स की सबसे बड़ी और महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। इस फिल्म की क्रिएटिव टीम में म्यूजिक डायरेक्टर बी. अजनीश लोकनाथ, सिनेमैटोग्राफर अरविंद कश्यप और प्रोडक्शन डिजाइनर विनेश बंग्लान शामिल हैं, जिन्होंने मिलकर फिल्म की दमदार विजुअल और भावनात्मक कहानी को आकार दिया है।

यह फिल्म 2 अक्टूबर को दुनिया भर में कन्नड़, हिंदी, तेलुगु, मलयालम, तमिल, बंगाली और अंग्रेजी भाषाओं में रिलीज हो चुकी है। यह अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हुए भी अलग-अलग भाषाओं और क्षेत्रों के दर्शकों तक पहुँचेगी।

फिल्म 'कांताराः चैप्टर 1' के साथ, होम्बले फिल्म्स भारतीय सिनेमा की सीमाओं को आगे बढ़ा रही है। यह फिल्म लोककथाओं, आस्था और सिनेमा की शानदार कारीगरी का जश्न मनाती है।

वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में पीएनबी का शुद्ध लाभ 14 फीसदी बढ़ा

लखनऊ, 18 अक्टूबर, सार्वजनिक क्षेत्र में देश के अग्रणी बैंकों में से एक पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में वर्ष दर वर्ष आधार पर 14 फीसदी बढ़ा है।

वित्तीय परिणामों का एलान करते हुए पीएनबी के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अशोक चंद्र ने बताया वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में बैंक को 4904 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में हुए शुद्ध लाभ 4303 करोड़ रुपए से 14 फीसदी अधिक है।

पीएनबी के परिचालन लाभ में वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में 5.5 फीसदी की वृद्धि वर्ष दर वर्ष आधार पर हुयी है। बैंक का सकल एनपीए में सुधार के साथ वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में वर्ष दर वर्ष आधार पर 3.45 फीसदी रहा है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 4.48 फीसदी था। वहीं शुद्ध एनपीए गठकर 0.36 फीसदी पर आ गया है जो पिछले साल इसी अवधि में 0.46 फीसदी था।

पीएनबी एमडी एवं सीईओ ने बताया बैंक का वैश्विक बिजनेस वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में वर्ष दर वर्ष आधार पर 10.6 फीसदी बढ़कर सितंबर 2025 को 2786673 करोड़ रुपए हो गया जोकि सितंबर 2024 में 2520246 करोड़ रुपए था। वैश्विक जमाराशियों में वर्ष दर वर्ष आधार पर 10.9 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गयी है। वैश्विक अग्रिम 10.1 फीसदी बढ़ा है। रैम अग्रिमों में वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में वर्ष दर वर्ष आधार पर 12.7 फीसदी की बढ़त दर्ज की गयी है। बैंक का ऋण-जमा अनुपात वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में 72.33 फीसदी हो गया है जोकि पहली तिमाही में 71.09 फीसदी था।

वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में वर्ष दर वर्ष आधार पर बचत खाते में जमाराशियां 4.2 फीसदी व चालू खाते में 9 फीसदी बढ़ी हैं।

नीतीश के ये 5 मंत्री हैं अथाह संपत्ति के मालिक, किसी के पास करोड़ों का फ्लैट, किसी की पत्नी निकली अमीर

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए नेताओं ने अपने-अपने नामांकन पत्र दाखिल कर दिए हैं। इसके साथ ही सामने आए चुनावी हलफनामों ने सबका ध्यान खींच लिया है। नीतीश कुमार के मंत्रिमंडल में कई ऐसे मंत्री हैं जिनकी संपत्ति करोड़ों में है। किसी के पास लाखों का बैंक बैलेंस है तो किसी की पत्नी उनसे भी ज्यादा अमीर निकली हैं।

किसी के पास करोड़ों की जमीन, कीमती गहने और लाखों की गाड़ियां हैं। वहीं, कई मंत्रियों पर बैंक का कर्ज और मुकदमे भी दर्ज हैं। लेकिन जो बात सबसे हैरान करने वाली है, वो ये कि बिहार के "जनसेवक" अब करोड़ों की संपत्ति के मालिक बन चुके हैं। आइए जानते हैं, नीतीश सरकार के उन 5 मंत्रियों की संपत्ति का पूरा ब्योरा, जिनके हलफनामे ने लोगों को चौंका दिया है।

मंत्री विजय चौधरी - पत्नी निकलीं ज्यादा अमीर

बिहार सरकार में नंबर दो की हैसियत रखने वाले विजय कुमार चौधरी से ज्यादा अमीर उनकी पत्नी गंगा चौधरी हैं। सरायरंजन विधानसभा से नामांकन करने वाले 68 वर्षीय मंत्री के पास सिर्फ 75 हजार रुपये नकद हैं। बैंक में लगभग 15 लाख रुपये हैं,

जबकि उनकी पत्नी के पास ढाई लाख रुपये नकद और दो बैंक खातों में करीब 12.5 लाख रुपये हैं।

विजय चौधरी निवेश के भी शौकीन हैं। उन्होंने 77 लाख रुपये से ज्यादा का निवेश किया है, वहीं पत्नी ने भी वळक् कळकळक और बिरला पॉलिसी में लाखों रुपये का निवेश कर रखा है। मंत्री के पास 60 हजार रुपये की पुरानी मारुति अल्टो है और करीब 10 ग्राम सोना। वहीं उनकी पत्नी के पास 240 ग्राम सोना यानी लगभग 27 लाख रुपये के गहने हैं। कुल मिलाकर, मंत्री के पास 1.09 करोड़ रुपये की संपत्ति है और पत्नी के पास 43 लाख से अधिक। पटना और गांव दोनों जगह पर इनके पास करोड़ों की जमीन और फ्लैट हैं।

जीवेश मिश्रा -10 करोड़ के मालिक

नगर विकास एवं आवास मंत्री जीवेश कुमार मिश्रा के पास करीब 10 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति है। जाले से चुनाव लड़ रहे जीवेश मिश्रा के पास 3 हजार नकद, 66 लाख रुपये बैंक बैलेंस, और 3 करोड़ की जमीन है। उनके पास 15 लाख का वाहन और 10 लाख का सोना है।

पत्नी के पास 2 करोड़ रुपये बैंक में, 38 लाख का वाहन और 11 लाख का सोना है। दोनों के नाम पर दरभंगा और आसपास 6 करोड़ रुपये की जमीन दर्ज है। इन पर लगभग 1 करोड़ का लोन भी है। मिश्रा दंपति के हलफनामे ने बिहार की राजनीति में हलचल मचा दी है क्योंकि इनकी संपत्ति 2020 की तुलना में कई गुना बढ़ी है।

संजय सरावगी -सोना, शेयर और करोड़ों की जमीन

राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी बिहार के सबसे अमीर मंत्रियों में शुमार हैं। उनके पास कुल 10 करोड़ रुपये से अधिक की चल-अचल संपत्ति है।

क्या आम्रपाली दुबे लेंगी राजनीति में एंट्री? सामने आया ऐसा सच, पवन सिंह को लेकर कही ऐसी बात

(जीएनएस)।

भोजपुरी सिनेमा की खूबसूरत और टैलेंटेड एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे न सिर्फ अपनी बेहतरीन अदाकारी के लिए जानी जाती हैं, बल्कि अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी अक्सर सुर्खियों में रहती हैं।

पॉलिटिकल करियर को लेकर बोलीं आम्रपाली दुबे

इस बार आम्रपाली दुबे अपनी फिल्मों या गानों को लेकर नहीं, बल्कि राजनीति में एंट्री को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में एबीपी न्यूज से बातचीत में एक्ट्रेस ने अपने पॉलिटिकल करियर को लेकर खुलकर बात की और बताया कि क्या वह भी अब भोजपुरी के बाकी कलाकारों की तरह राजनीति की राह पकड़ने वाली हैं।

राजनीति में आने के सवाल पर क्या बोलीं आम्रपाली दुबे?

-पिछले कुछ सालों में भोजपुरी इंडस्ट्री के कई बड़े नाम, रवि किशन, दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' और पवन सिंह, ने राजनीति में अपनी पहचान बनाई है। ऐसे में जब आम्रपाली दुबे से पूछा गया कि क्या वह भी राजनीति में कदम रखने का सोच रही हैं, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा- मैं ऐसे किसी फोन का जवाब नहीं देती जो राजनीति से जुड़ा हो, क्योंकि अभी मेरा पूरा फोकस एक्टिंग पर है।

-आम्रपाली दुबे ने आगे कहा- मुझे मेरा काम बेहद पसंद है और मैं

फिलहाल सिर्फ फिल्मों पर ध्यान दे रही हूं। हालांकि आम्रपाली दुबे ने ये भी जोड़ा कि भविष्य में अगर कभी उन्हें लगे कि राजनीति में जाना चाहिए, तो वो खुद इस बारे में खुलकर बताएंगी।

पवन सिंह को लेकर एक्ट्रेस ने क्या कहा?

-जब आम्रपाली दुबे से उनके को-स्टार पवन सिंह के राजनीति में शामिल होने की खबरों पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा- मुझे नहीं पता कि पवन सिंह विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं या नहीं। हां ये बात तो पहले से पता थी कि वो बीजेपी से जुड़ना चाहते थे, लेकिन राजनीति का योग बनना थोड़ा मुश्किल होता है।

-आम्रपाली दुबे ने ये भी कहा कि पवन सिंह हमेशा अपने काम को लेकर समर्पित रहते हैं और राजनीति में कदम रखने का फैसला पूरी तरह उनका निजी फैसला होगा।

-आम्रपाली दुबे भोजपुरी इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेसेस में से एक हैं, जिन्होंने लगभग हर बड़े सुपरस्टार के साथ काम किया है। लेकिन फैंस को उनकी केमिस्ट्री सबसे ज्यादा दिनेश लाल यादव निरहुआ के साथ पसंद आती है।

-खबर है कि आम्रपाली दुबे और दिनेश लाल यादव निरहुआ जल्द ही एक बड़ी रोमांटिक फिल्म में फिर से साथ नजर आने वाले हैं। ये फिल्म एक भावनात्मक लव स्टोरी होगी, जिसे लेकर फैंस अभी से उत्साहित हैं। इसके अलावा आम्रपाली दुबे ने खुलासा किया कि उन्हें कुछ बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स के ऑफर भी मिल रहे हैं, जिन पर बातचीत जारी है।

'मैं पॉलिटिक्स से दूर रहना ही बेहतर समझती हूं'

-आम्रपाली दुबे ने इस बातचीत में साफ कर दिया कि फिलहाल उनका पूरा ध्यान अपने करियर और फिल्मों पर है। उन्होंने कहा है- मैं चाहती हूं कि मेरी ऑडियंस मुझे एक एक्ट्रेस के रूप में याद रखे, फिलहाल मैं पॉलिटिक्स से दूर रहना ही बेहतर समझती हूं। उनके इस बयान से साफ है कि वे अभी फिल्मी दुनिया में ही अपनी चमक बिखेरना चाहती हैं और राजनीति का सफर शायद भविष्य के किसी मोड़ पर शुरू हो।

-आम्रपाली दुबे ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वो सिर्फ स्क्रीन पर नहीं, बल्कि अपने विचारों में भी साफ और आत्मनिर्भर हैं। जब इंडस्ट्री के कई सितारे राजनीति में कदम रख रहे हैं, आम्रपाली दुबे का अपने प्रोफेशन के प्रति समर्पण उन्हें भीड़ से अलग बनाता है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

नवसर्जन संस्कृति

रेल मंत्रालय ने देवगढ़ मदारिया - मारवाड़ जंक्शन ब्रॉड गेज रेल लाइन के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे को दी मंजूरी

रेल मंत्रालय ने देवगढ़ मदारिया से मारवाड़ जंक्शन तक 72 किलोमीटर लंबी नई ब्रॉड गेज रेल लाइन के फाइनल लोकेशन सर्वे (ऋछर) को मंजूरी दे दी है। स्वीकृति पश्चात यह नई रेल लाइन परियोजना जोधपुर और बीकानेर से होकर चित्तौड़गढ़ और उदयपुर तक सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी, जिससे यात्रा का समय और दूरी दोनों कम होंगे। यह नई ब्रॉड गेज रेल लिंक राजसमंद, उदयपुर और पाली जिलों में यात्रा समय को काफी कम करेगी और यात्री व माल ट्रेनों की क्षमता को बेहतर बनाएगी, इससे इन क्षेत्रों के उन हिस्सों तक भी आधुनिक रेल सुविधाएं पहुँचेंगी जहाँ अब तक यह सुविधाएं सीमित थीं। इसके माध्यम से, देवगढ़ मदारिया के किसानों की फसलें, जैसे फल और सब्जियाँ, मारवाड़ क्षेत्र के नए बाजारों तक पहुँच सकेंगी।

यह लाइन मारवाड़ क्षेत्र में तेज ट्रेनों के संचालन का मार्ग सुनिश्चित करेगी, जिससे पहले की धीमी और संकरी लाइनें तेज और अधिक सुगम संपर्क का मार्ग बन जाएँगी।

ये विकास कार्य दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे (उ्टकऊ) के रणनीतिक लक्ष्यों के अनुरूप हैं और विशेष रूप से जोधपुर-पाली औद्योगिक क्षेत्र के लिए लाभकारी साबित होंगे, जो पश्चिमी भारत में एक उभरता हुआ निर्माण और लॉजिस्टिक्स हब है। बेहतर रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर न केवल आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करेगी, बल्कि निवेश आकर्षित करेगी, व्यापार का विस्तार करेगी और औद्योगिक केंद्रों को देश भर के बंदरगाहों और बाजारों से अधिक कुशलता से जोड़ेगी।

पर्यटन की दृष्टि से भी इसका बड़ा लाभ होगा। इस मार्ग से कुंभलगढ़ किला, चारभुजा मंदिर और द्वारकाधीश मंदिर (कंकरोली) जैसे प्रसिद्ध धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों तक रेल के माध्यम से पहुँचना और आसान हो जाएगा। इससे क्षेत्र में पर्यटकों की आवाजाही बढ़ेगी और स्थानीय व्यापार को भी प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही, यह क्षेत्र संगमरमर, ग्रेनाइट और सीमेंट उद्योगों के लिए भी प्रसिद्ध है, जिन्हें भारतीय रेल के मिशन 3000 एमटी के तहत माल ढुलाई क्षमता के बढ़ने से बड़ा लाभ मिलेगा। इससे कच्चे माल और पूर्ण रूप से तैयार उत्पादों की ढुलाई तेज, अधिक विश्वसनीय और किफायती हो सकेगी। जिससे औद्योगिक विकास और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।

मंजूरी मिलने के बाद इस परियोजना के साथ-साथ , ₹969 करोड़ की लागत से चल रही 82 किलोमीटर लंबी नाथद्वारा-देवगढ़ मदारिया ब्रॉडगेज परिवर्तन परियोजना भी क्षेत्र में महत्वपूर्ण सामाजिक और आर्थिक लाभ लेकर आएगी। यह परियोजना भील, गरासिया और सहारिया जनजाति समुदायों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और रोजगार के अवसरों तक पहुंच को बेहतर बनाकर उनके जीवन स्तर में सुधार करेगी।

अहमदाबाद स्टेशन पर भारी भीड़ प्रबंधन में अहमदाबाद मंडल की सफल तैयारी

अहमदाबाद के स्थानीय उद्योगों द्वारा बोनस वितरण के कारण अचानक उत्तर/पूर्व दिशा की ओर जाने वाले यात्रियों की संख्या में भारी वृद्धि देखी गई। अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर लगभग 20,000 अतिरिक्त यात्रियों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस अप्रत्याशित चुनौती का पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल ने कुशलतापूर्वक सामना किया और एक सुव्यवस्थित तथा सुरक्षित भीड़ प्रबंधन योजना का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया।

यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए लगभग 1.5 किलोमीटर लंबा एकदिशीय मार्ग (वल्ल्न्श्िड्ढल्लं' १ड्ढ४३ी) तैयार किया गया और स्टेशन परिसर में एक बड़ा होल्डिंग एरिया विकसित किया गया। पूर्व दिशा की ओर जाने वाली सभी ट्रेनों का संचालन विशेष रूप से प्लेटफॉर्म नंबर 8 से किया गया, जिससे भीड़ को नियंत्रित तरीके से प्रवेश और निर्गमन का अवसर मिला।

ट्रेन-वार भीड़ प्रबंधनः

जनसाधारण एक्सप्रेसः लगभग 6,000 यात्री

पटना के लिए विशेष ट्रेनः लगभग 6,000 यात्री

अहमदाबाद-दरभंगा एक्सप्रेसः लगभग 3,000 यात्री

अहमदाबाद-बरौनी एक्सप्रेसः लगभग 2,000 यात्री

अहमदाबाद-हावड़ा एक्सप्रेसः शेष लगभग 2,000-3,000 यात्रियों को समायोजित किया गया

यात्रियों की सुविधा हेतु स्टेशन पर पेयजल की व्यवस्था, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, प्राथमिक चिकित्सा सहायता और विशेष भीड़ नियंत्रण दल तैनात किए गए। इस पूरे अभियान में राज्य रिजर्व पुलिस (रफ्छ) के 200 सदस्यीय बल का विशेष योगदान रहा। साथ ही, अहमदाबाद के पुलिस आयुक्त एवं रेलवे के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अउ्क्र) द्वारा त्वरित सहयोग प्रदान किया गया।

स्थानीय राज्य पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल (फ्छक्र) और सभी शाखा अधिकारियों (इड२) की सक्रिय भागीदारी के चलते यह संपूर्ण संचालन बिना किसी अप्रिय घटना के सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। यह उदाहरण दशार्ता है कि पश्चिम रेलवे का अहमदाबाद मंडल यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और कुशल संचालन के लिए हमेशा तत्पर और सक्षम है।मुंबई, 18 अक्टूबर, 2025

तीन ट्रेनों का व्यारा स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए व्यारा स्टेशन पर तीन ट्रेनों का अतिरिक्त ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

1. 23 अक्टूबर, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09029 बांद्रा टर्मिनस-रीवा एक्सप्रेस (साप्ताहिक) व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 09:38 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 09:40 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, 24 अक्टूबर, 2025 को रीवा से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09030 रीवा-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस (साप्ताहिक) व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 07:41 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 07:43 बजे प्रस्थान करेगी।

2. 25 अक्टूबर, 2025 को उधना से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09033 उधना-बरौनी एक्सप्रेस (द्वि-साप्ताहिक) व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 21:03 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 21:05 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, 27 अक्टूबर, 2025 को बरौनी से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09034 बरौनी-उधना एक्सप्रेस (द्वि-साप्ताहिक) व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 17:56 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 17:58 बजे प्रस्थान करेगी।

3. 26 अक्टूबर, 2025 को उधना से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09069 उधना-समस्तीपुर एक्सप्रेस (साप्ताहिक) शुरू होकर व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 21:11 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 21:13 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, 28 अक्टूबर, 2025 को समस्तीपुर से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09070 समस्तीपुर-उधना एक्सप्रेस (साप्ताहिक) व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 12:00 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 12:02 बजे प्रस्थान करेगी।

तीन ट्रेनों का व्यारा स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव

मुंबई,

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए व्यारा स्टेशन पर तीन ट्रेनों का अतिरिक्त ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

1. 23 अक्टूबर, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09029 बांद्रा टर्मिनस-रीवा एक्सप्रेस (साप्ताहिक) व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 09:38 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 09:40 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, 24 अक्टूबर, 2025 को रीवा से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09030 रीवा-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस (साप्ताहिक) व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 07:41 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 07:43 बजे प्रस्थान करेगी।

2. 25 अक्टूबर, 2025 को उधना से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09033 उधना-बरौनी एक्सप्रेस (द्वि-साप्ताहिक) व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 21:03 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 21:05 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, 27 अक्टूबर, 2025 को बरौनी से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09034 बरौनी-उधना एक्सप्रेस (द्वि-साप्ताहिक) व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 17:56 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 17:58 बजे प्रस्थान करेगी।

3. 26 अक्टूबर, 2025 को उधना से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09069 उधना-समस्तीपुर एक्सप्रेस (साप्ताहिक) शुरू होकर व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 21:11 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 21:13 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, 28 अक्टूबर, 2025 को समस्तीपुर से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09070 समस्तीपुर-उधना एक्सप्रेस (साप्ताहिक) व्यारा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 12:00 बजे व्यारा स्टेशन पहुँचेगी और 12:02 बजे प्रस्थान करेगी।

ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह 21 अक्टूबर, 2025 को पुलिस स्मृति दिवस पर नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे

पुलिस स्मृति दिवसः रक्षा मंत्री एनपीएम में पुष्पांजलि अर्पित करेंगे और 10 बहादुर पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि देंगे, जिन्होंने 1959 में लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स में भारी हथियारों से लैस चीनी सैनिकों द्वारा किए गए हमले में अपने प्राणों की आहुति दी

(जीएनएस)।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह 21 अक्टूबर, 2025 को पुलिस स्मृति दिवस पर नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। 21 अक्टूबर, 1959 को लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स में भारी हथियारों से लैस चीनी सैनिकों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में 10 बहादुर पुलिसकर्मियों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। हर साल 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और दिल्ली पुलिस की एक संयुक्त परेड भी आयोजित की जाएगी। रक्षा मंत्री, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री, पुलिस पृष्ठभूमि वाले सांसद, सीएपीएफ/सीपीओ के प्रमुख और अन्य लोग भी पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। सेवानिवृत्त महानिदेशक, पुलिस के अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। रक्षा मंत्री सभा को भी संबोधित करेंगे।

पुलिसकर्मियों के बलिदान और राष्ट्रीय सुरक्षा एवं अखंडता की रक्षा में उनकी सर्वोच्च भूमिका के सम्मान में, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पुलिस स्मृति दिवस 2018 पर नई दिल्ली के चाणक्यपुरी स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक राष्ट्र को समर्पित किया था। इस संग्रहालय की संकल्पना भारत में पुलिस व्यवस्था पर एक ऐतिहासिक और विकासशील प्रदर्शनी के रूप में की गई है। यह सोमवार को छोड़कर सभी दिनों में आम लोगों के लिए खुला रहता है। केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) प्रत्येक शनिवार और रविवार शाम को सूर्यास्त से एक घंटा पहले राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर बैंड प्रदर्शन, परेड और रिट्रीट समारोह का आयोजन करते हैं।

यह स्मारक पुलिस बलों को राष्ट्रीय पहचान, गौरव, उद्देश्य की एकता, साझे इतिहास और नियति का बोध कराता है, साथ ही अपने प्राणों की आहुति देकर भी राष्ट्र की रक्षा करने की उनकी प्रतिबद्धता को दोहराता है। इसमें एक केंद्रीय मूर्ति, एक शौर्य दीवार और एक संग्रहालय शामिल है। केंद्रीय स्ं मारक, 30 फुट ऊंची ग्रेनाइट की एकाश्म प्रतिमा है, पुलिस कर्मियों की शक्ति, दृढ़ता और निस्वार्थ सेवा का प्रतीक है। शौर्य दीवार, जिस पर शहीदों के नाम लिखे हुए हैं, स्वतंत्रता के बाद से कर्तव्य पथ पर अपने प्राणों की आहुति देने वाले पुलिस कर्मियों की बहादुरी और बलिदान की अटल स्ं मृति है।

स्मरणोत्सव के एक भाग के रूप में, सीएपीएफ/सीपीओएस 22 से 30 अक्टूबर तक राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं, जिनमें शहीदों के परिजनों से मुलाकात, पुलिस बैंड प्रदर्शन, मोटरसाइकिल रैलियां, शहीदों के लिए दौड़, रक्तदान शिविर, बच्चों के लिए निबंध/चित्रकला प्रतियोगिताएं और पुलिसकर्मियों के बलिदान, वीरता और सेवाओं को प्रदर्शित करने वाली वीडियो फिल्मों का प्रदर्शन शामिल हैं। इस अवधि के दौरान देश भर के सभी पुलिस बलों द्वारा इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

इंडिया एआई और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वास्तविक दुनिया में एआई स्वास्थ्य संबंधी सफलताओं को उजागर करने के लिए साझेदारी की;

केसबुक तैयार करने के लिए 31 अक्टूबर 2025 तक स्वास्थ्य प्रणालियों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रभावशाली और स्केलेबल अनुप्रयोगों पर प्रकाश डालने वाले सारांश प्रस्तुत करने का आह्वान किया गया

अध्याय जमा करने की अंतिम तिथि 15 दिसंबर है, केसबुक का उद्देश्य वैश्विक दक्षिण में सफलतापूर्वक कार्यान्वित एआई समाधानों को दोहराना और उनका विस्तार करना है; चयनित प्रविष्टियां इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में प्रदर्शित होंगी

केसबुक नीति निमार्ताओं, नवप्रवर्तकों और शोधकताओं के लिए एक व्यापक संदर्भ के रूप में काम करेगी, ताकि वैश्विक दक्षिण में वास्तविक दुनिया के मापनीय और जिम्मेदार एआई स्वास्थ्य समाधानों को दोहराया जा सके और स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों में डिजिटल परिवर्तन में तेजी आए

(जीएनएस)।

भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के इंडिया-एआई मिशन ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ॅ ल्ॅ यूएचओ) के सहयोग से स्वास्थ्य प्रणालियों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के प्रभावशाली और स्केलेबल अनुप्रयोगों पर प्रकाश डालने वाले सार-संक्षेपों के लिए एक वैश्विक आह्वान की घोषणा की है। चयनित प्रविष्टियों को "वैश्विक दक्षिण में एआई स्वास्थ्य उपयोग के मामलों पर केसबुक" में एक अध्याय लिखने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। इसका विमोचन फरवरी में नई दिल्ली में आयोजित होने वाले इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में किया जाएगा।

इंडिया-एआई और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा संयुक्त रूप से विकसित यह केसबुक वैश्विक दक्षिण में सफलतापूर्वक कार्यान्वित एआई समाधानों को दोहराने और उनका विस्तार करने की इच्छा रखने वाले नीति निमार्ताओं, नवप्रवर्तकों और शोधकताओं के लिए एक व्यापक संदर्भ के रूप में काम करेगी। वास्तविक दुनिया के अनुभवों और सीखों को समाहित करने वाले इस केसबुक का उद्देश्य ज़िम्मेदार एआई अपनाने को मजबूत करना और स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों में डिजिटल परिवर्तन को गति देना है।

वैश्विक दक्षिण के शोधकताओं, नवप्रवर्तकों और संस्थानों से 31 अक्टूबर 2025 तक स्वास्थ्य उपयोग के मामलों में सफल, कार्यान्वयन योग्य, स्केलेबल एआई पर सारांश (अधिकतम 250 शब्द) प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिशानिर्देश और आवेदन पत्र ॅ३३स्र२://स्रू३.ल्ल्रू.ॅङ्म५.ल्ल/ी५ील्ल३२/६ॅङ्म पर उपलब्ध हैं।

प्रासंगिकता, गुणवत्ता और केसबुक के लक्ष्यों के साथ संरेखण के आधार पर चुने गए योगदानकताओं को एआई समाधान, तैनाती रणनीति, नैतिक विचारों, प्राप्त प्रभाव और सीखे गए सबक का विवरण देते हुए पूर्ण अध्याय (2,500-3,000 शब्द) प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

महत्वपूर्ण तिथियां

सारांश प्रस्तुत करने की अंतिम तिथिः 31 अक्टूबर 2025

अध्याय प्रस्तुत करने की तिथिः 15 दिसम्ॅ बर 2025

इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में केसबुक का विमोचनः 19-20 फरवरी 2026

आवेदक प्रश्नों या स्पष्टीकरण के लिए ी''ङ्म६3.ॅस्रं-ल्ल्रं@ी३८.ॅङ्म५.ल्ल पर 'सारांश के लिए कॉल - प्रश्न - [लेखक का नाम]' विषय का उपयोग करते हुए मेल भेज सकते हैं।

भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष वापस लाने के लिए जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल रूस पहुंचे

कलमीकिया में पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी से भारत और रूस के बीच संबंध मजबूत होंगेः श्री मनोज सिन्हा

श्री सिन्हा ने उन्हें यह अवसर प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया

(जीएनएस)।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने कहा कि कलमीकिया में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी से भारत और रूस के लोगों के बीच आपसी संबंध मजबूत होंगे। "शाक्यमुनि बुद्ध के स्वर्ण निवास" के नाम से प्रसिद्ध प्रतिष्ठित गेडेन शेडुप चोइकोरलिंग मठ में स्थापित अवशेषों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि कलमीकिया में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी एक ऐतिहासिक घटना है जो यूरोप के एकमात्र बौद्ध राष्ट्र कलमीक लोगों के लिए आस्था की ऐतिहासिक घर वापसी का प्रतिनिधित्व करती है। यह भारत और रूस के बीच आध्यात्मिक मित्रता के एक शक्तिशाली सेतु के रूप में खड़ा है, जो सांस्कृतिक संबंधों में भारत के प्रयासों और बुद्ध की शिक्षाओं की एकीकृत शक्ति को प्रदर्शित करता है।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने पवित्र अवशेषों को "खटक" भेंट किया और मंदिर में एक दीप प्रज्वलित किया। उन्होंने बकुला रिनपोछे के समक्ष प्रार्थना की। श्री सिन्हा ने शाजिन लामा को एक कश्मीरी शॉल भेंट की और आशीर्वाद प्राप्त किया।

जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा शुक्रवार को भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों

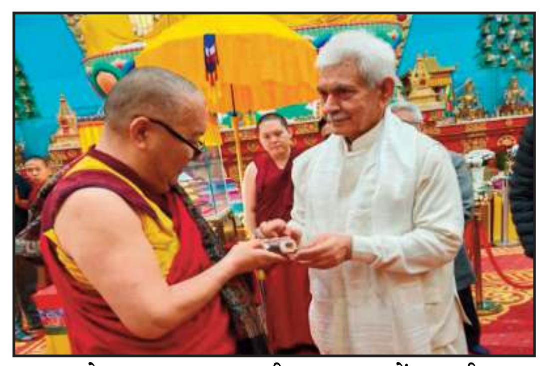

को भारत वापस लाने के लिए रूस पहुंचे। ये अवशेष कलमीकिया गणराज्य की राजधानी एलिस्टा में प्रदर्शित किए गए थे। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे श्री सिन्हा का स्वागत काल्मिकिया सरकार के प्रथम उप-सभापति त्सेरेनोव एर्दनी निकोलायेविच, उप-सभापति दूजाम्बिनोव ओचिर व्लादिमीरोविच और भारत के मिशन उप-प्रमुख श्री निखिलेश गिरि ने किया। प्रतिनिधिमंडल 19 अक्टूबर 2025 को पवित्र अवशेषों के साथ भारत वापस आएगा।

इससे पहले, श्री सिन्हा ने कलमीकिया के लिए अपने प्रस्थान की घोषणा करते हुए कहा कि वह भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को वापस लाने के लिए प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। एक्स पर एक पोस्ट में, उपराज्यपाल कार्यालय ने लिखा, "रूस के कलमीकिया के लिए रवाना हो रहा हूँ, जहाँ मैं एक सप्ताह की प्रदर्शनी के बाद भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को वापस लाने के लिए प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करूँगा। मैं इस पावन अवसर के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। 'ॐ नमो बुद्धाय'।"

आध्यात्मिक भक्ति और साझी सांस्कृतिक विरासत के एक सशक्त प्रदर्शन में, भारत से भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी को रूस के कलमीकिया गणराज्य में अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिली है। अब तक, 90 हजार से ज्यादा श्रद्धालु प्रतिष्ठित गेडेन शेडुप चोइकोरलिंग मठ जिसे "शाक्यमुनि बुद्ध का स्वर्णिम निवास" के नाम से जाना जाता है, में स्थापित अवशेषों के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित कर चुके हैं।

भारत की राष्ट्रीय धरोहर माने जाने वाले इन पवित्र अवशेषों को उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व में वरिष्ठ भारतीय भिक्षुओं सहित एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल द्वारा राजधानी एलिस्टा लाया गया। यह प्रतिनिधिमंडल कलमीकिया की बौद्ध बहुल आबादी के लिए विशेष धार्मिक सेवाएं और आशीर्वाद प्रदान कर रहा है। कलमीकिया यूरोप के एकमात्र ऐसा क्षेत्र है जहां बौद्ध धर्म प्रमुख धर्म है।

रूसी गणराज्य में अपनी तरह की पहली यह ऐतिहासिक प्रदर्शनी, भारत और रूस के बीच गहरे सभ्यतागत संबंधों का प्रमाण है। यह लद्दाख के श्रद्धेय बौद्ध भिक्षु और राजनयिक, 19वें कुशोक बकुला रिनपोछे की चिरस्थायी विरासत को पुनर्जीवित करता है, जिन्होंने मंगोलिया में बौद्ध धर्म को पुनर्जीवित करने और कलमीकिया, बुरातिया और तुवा जैसे रूसी क्षेत्रों में बौद्ध धर्म में रुचि जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

इस कार्यक्रम का आयोजन भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के बौद्ध/तिब्बती संस्कृति (बीटीआई) अनुभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी), राष्ट्रीय संग्रहालय और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के सहयोग से किया गया है। यह प्रदर्शनी राजधानी एलिस्टा में 18 अक्टूबर, 2025 तक जारी रहेगी।

लेफ्टिनेंट जनरल सीजी मुरलीधरन ने चिकित्सा सेवा महानिदेशक (सेना) का पदभार ग्रहण किया

(जीएनएस)।

लेफ्टिनेंट जनरल सी. जी. मुरलीधरन ने लेफ्टिनेंट जनरल साधना एस. नायर, एवीएसएम, वीएसएम से चिकित्सा सेवा महानिदेशक (सेना) का पदभार ग्रहण किया है। लेफ्टिनेंट जनरल साधना एस. नायर राष्ट्र को चार दशकों से अधिक की विशिष्ट सेवा प्रदान करने के बाद 30 सितंबर, 2025 को सेवानिवृत्त हो गईं।

लेफ्टिनेंट जनरल मुरलीधरन प्रतिष्ठित सशस्त्र बल चिकित्सा महाविद्यालय (एएफएमसी), पुणे के पूर्व छात्र रहे हैं। उनको वर्ष 1987 में सेना चिकित्सा कोर में कमीशन प्रदान किया गया था। एक प्रतिष्ठित रेडियोलॉजिस्ट के रूप में, जनरल अधिकारी का कैरियर उत्कृष्ट रहा है, जिसमें कमान, कार्मिक और प्रशिक्षण संबंधी नियुक्तियों का संतुलित अनुभव शामिल है। उन्होंने उत्तरी एवं पश्चिमी युद्ध क्षेत्र में विभिन्न चिकित्सा प्रतिष्ठानों में सेवा दी है और विविध परिचालन तथा प्रशासनिक परिस्थितियों में समृद्ध अनुभव अर्जित किया है।

सेना चिकित्सा सेवा के प्रमुख के रूप में लेफ्टिनेंट जनरल मुरलीधरन का मुख्य ध्यान सेवारत कार्मिकों, भूतपूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए समग्र, सुलभ एवं उच्च-गुणवत्ता वाली चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करने पर केंद्रित होगा।

सीएसएल, कोच्चि में 528 (मगदाला) द्वारा छठे एएसडब्ल्यू एसडब्ल्यूसी का जलावतरण

(जीएनएस)।

आठ पनडुब्बी रोधी युद्ध शैलो वाटर क्राफ्ट (एएसडब्ल्यू एसडब्ल्यूसी) की श्रृंखला का छठा पोत बीवाई 528 (मगदाला), 18 अक्टूबर, 2025 को कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल), कोच्चि में सफलतापूर्वक जलावतरित किया गया।

नौसेना की गौरवशाली समुद्री परंपराओं का पालन करते हुए जहाज मगदाला का जलावतरण श्रीमती रेणु राजाराम द्वारा वाइस एडमिरल राजाराम स्वामीनाथन, चीफ ऑफ मटेरियल (सीडब्ल्यूपी एंड ए) तथा भारतीय नौसेना और कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

यह पोत कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित किया गया है। श्रृंखला के प्रथम जहाज की डिलीवरी अक्टूबर, 2025 के अंत तक प्रस्तावित है। एएसडब्ल्यू शैलो वाटर क्राफ्ट (एसडब्ल्यूसी) नौसेना की पानी के भीतर क्षेत्रीय जागरूकता, पनडुब्बी रोधी युद्धक क्षमता व बारूदी सुरंग बिछाने की दक्षता को और सुदृढ़ करेंगे। तीन डीजल इंजनों से संचालित जल जेट प्रणालियों से युक्त ये जहाज अत्याधुनिक सेंसर तथा हथियार प्रणालियों से सुसज्जित हैं, जिनमें हल-माउंटेड सोनार, लो फ्रीक्वेंसी वेरिएबल डेप्थ सोनार (एलएफवीडीएस), टॉरपीडो, पनडुब्बी रोधी रॉकेट, एनएसजी-30 गन और 12.7 मिमी स्टेबलाइज्ड रिमोट-कंट्रोल गन (एसआरसीजी) शामिल हैं। ये सभी उपकरण पोत की समुद्री निगरानी और हमलावर क्षमता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाते हैं।

मगदाला का प्रक्षेपण जहाज-निर्माण, हथियार, सेंसर तथा उन्नत संचार व इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों में भारतीय नौसेना की आत्मनिर्भरता की सतत खोज में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। 80% से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ निर्मित पोत मगदाला हिंद महासागर क्षेत्र में हमारे राष्ट्रीय समुद्री हितों की रक्षा के लिए भारतीय नौसेना को निर्णायक और सतर्क क्षमताएं प्रदान करेगा।

आयुर्वेद का गौरव, लखनऊ में धन्वंतरि जयंती पर दीर्घायु और नवजीवन पर महामंथन

डॉ. रुखसाना ने सम्मानित किए वरिष्ठ आयुर्वेदिक चिकित्सक

(जीएनएस)।

लखनऊ। चिकित्सा विज्ञान के आदिदेव, भगवान श्री धन्वंतरि की पावन जयंती आयुर्वेद दिवस के शुभ अवसर पर, राजधानी लखनऊ के आई.एम.ए. भवन, रिवर बैंक कॉलोनी में ज्ञान, सेवा और सम्मान का अद्भुत संगम देखने को मिला।

विश्व आयुर्वेद परिषद लखनऊ इकाई एवं लखनऊ आयुर्वेदिक आउटडोर डॉक्टर्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह गरिमामय कार्यक्रम, आधुनिक युग में आयुर्वेद के महत्व को रेखांकित करने वाला एक मील का पत्थर साबित हुआ। कार्यक्रम का केंद्रीय विषय था। वयस्थापना, अवस्था पर नियंत्रण हेतु रसायन। यह विषय सीधे तौर पर स्वास्थ्य, लंबी आयु और रोगमुक्त जीवन की भारतीय संकल्पना को समर्पित था।

इस अवसर पर, प्रसिद्ध रस शास्त्री आचार्य नागार्जुन की महान स्मृति को नमन किया गया। नागार्जुन वे महापुरुष थे जिन्होंने धातुओं और खनिजों का आयुर्वेद में सफलतापूर्वक प्रयोग कर रस शास्त्र को एक नई दिशा दी। संगोष्ठी में वक्ताओं ने बताया कि कैसे रसायन चिकित्सा आज के प्रदूषित और तनावपूर्ण जीवन में शरीर को पुनः ऊजार्वान बनाने, आयु बढ़ाने और गंभीर रोगों की अवस्था को नियंत्रित करने में सक्षम है।

वरिष्ठ चिकित्सकों का सम्मान और गरीबों की मसीहा, कार्यक्रम का सबसे हृदयस्पर्शी क्षण वह था जब शहर की जानी-मानी समाज सेविका, डॉक्टर रुखसाना ने अपने कर-कमलों से चिकित्सा जगत के दिग्गजों को सम्मानित किया। उन्होंने वरिष्ठ चिकित्सकों को बुके और आदर स्वरूप अंग वस्त्र पहनाकर उनके अमूल्य योगदान के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

डॉक्टर रुखसाना का समर्पण समाज में उनकी एक विशिष्ट पहचान बनाता है। उनकी निःस्वार्थ सेवा, विशेषकर गरीब और असहाय लोगों को मुफ्त परामर्श एवं इलाज देने की पहल ने उन्हें 'जन-जन की डॉक्टर' और 'गरीबों की मसीहा' के रूप में स्थापित कर दिया है। उनका यह कदम सिद्ध करता है कि चिकित्सा केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा है।

इस महत्वपूर्ण चर्चा को सफल बनाने के लिए मंच पर आयुर्वेद और चिकित्सा जगत की कई प्रख्यात हस्तियां मौजूद थीं, जिनके ज्ञान और अनुभव से सभागार प्रकाशित हुआ। इनमें प्रमुख रूप से शामिल थे। डॉक्टर मौलीन्दु, डॉक्टर चित्रा सक्सेना, डॉक्टर वैद्य अजय दत्त शर्मा, प्रो. डॉक्टर नम्रता जोशी, प्रो. डॉक्टर के.के. ठकराल, डॉक्टर सूर्यकान्त, डॉक्टर मनोज विशनोई, डॉक्टर राकेश सिंह, डॉक्टर पी.एस ओझा और डॉ रुखसाना सिद्दीकी, डॉ मोहम्मद इरफान, डॉ मोनिसुररहमान ,डॉ अलमास किदवई, डॉ अली खान, डॉ तलहा इस्लाम, डॉ रुकैय्या खान, डॉ सैफी खान, डॉ तालिब, अतौर्रहमान, डॉ शाइस्ता, उपस्थित सभी चिकित्सक बंधुओं का विश्व आयुर्वेद परिषद, लखनऊ ने हृदय से स्वागत एवं अभिनंदन किया। यह कार्यक्रम केवल एक जयंती समारोह नहीं था, बल्कि आयुर्वेद के सिद्धांतों को वर्तमान संदर्भ में मजबूती से स्थापित करने और मानवता की सेवा के प्रति चिकित्सकों के संकल्प को दोहराने का एक सफल मंच रहा।

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग में निर्णय लेने और लंबित मदों के निपटान में दक्षता प्राप्त करने के लिए विशेष अभियान 5.0 जोरों पर

(जीएनएस)।

स्वच्छता को संस्थागत बनाने और कार्यस्थल की दक्षता बढ़ाने के प्रधानमंत्री के विजन को साकार करने के उद्देश्य से, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) अपने संबद्ध/अधीनस्थ संगठनों के साथ विशेष अभियान 5.0 के मुख्य चरण में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है। 2 अक्टूबर से शुरू होकर 31 अक्टूबर 2025 तक चलने वाले इस अभियान का उद्देश्य स्वच्छता में प्रभावशाली, केंद्रित और महत्वपूर्ण सुधार लाना और कार्यालयीन मामलों में लंबित मामलों को कम करना है।

विभाग के सभी अधिकारियों के साथ-साथ देश भर में विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्यरत संबद्ध एवं अधीनस्थ कार्यालयों की ओर से भी उत्साहपूर्वक भागीदारी देखी गई है। अब तक 585 से अधिक स्वच्छता स्थलों को सम्मिलित किया जा चुका है।

बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूकता और अभियान समर्थन, जिसमें एक्स और फेसबुक जैसे अन्य प्लेटफॉर्म पर कई ट्वीट और पोस्ट शामिल हैं। इसके परिणामस्वरूप #रस्र्ीूं'उेंस्रॅल्ल 5.0 सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय हो रहा है। अभियान के दौरान, कर्मचारियों के लिए कार्य वातावरण में समग्र सुधार लाने और कार्यालय अनुभव की गुणवत्ता बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग हाल ही में नॉर्थ ब्लॉक से दिल्ली के कर्तव्य भवन 3 में स्थानांतरित हुआ है, जिसने एक आधुनिक कार्यालय परिसर के अलावा, अधिकारियों और कर्मचारियों को बेहतर ढंग से संपर्क करने, एक-दूसरे से जुड़ने और अपने व्यक्तिगत और प्रोफेशनल संबंधों में अधिक सामंजस्यपूर्ण टीम वर्क करने में सक्षम बनाया है।

अभिलेख प्रबंधन

2 अक्टूबर, 2025 को विशेष अभियान 5.0 की शुरूआत के बाद से 52,112 से अधिक फाइलों और 2474 से अधिक ई-फाइलों की समीक्षा की गई है और 20,391 फाइलों को हटाया गया है। जिन ई-फाइलों पर कारवाई पूरी हो चुकी है, उन्हें भी बंद कर दिया गया है।

उपरोक्त मानदंडों के अलावा, सरकारी कार्यालयों की समग्र स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए स्थान प्रबंधन और क्षेत्र कार्यालयों के कार्यस्थल अनुभव को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया। कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के संबद्ध एवं अधीनस्थ कार्यालयों सहित कार्यालयों की सफाई के लिए 16 स्वच्छता अभियान चलाए गए। अब तक कचरे/कबाड़ के निपटान से 2,80,890 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। कबाड़ के निपटान और फाइलों की छंटाई के कारण लगभग 8228 वर्ग फुट स्थान रिक्त हुई है।

इस अवधि के दौरान 350 लोक शिकायतें और 105 लोक शिकायत अपील, 15 सांसद संदर्भ, 1 अंतर मंत्रालय संदर्भ (कैबिनेट प्रस्ताव) और 7 पीएमओ संदर्भों का उत्तर दिया गया और उनका निपटारा किया गया।

स्वच्छता और लंबित मामलों के त्वरित निपटान के लिए विशेष अभियान 5.0 के दौरान अब तक इस विभाग द्वारा निम्नलिखित गतिविधियाँ भी की गई हैं:

नॉमिनेशन में दिखा गजब नजारा, कोई हाथी- भैंस पर तो कोई हाफ पैंट-गंजी में नामांकन करने पहुंचा

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दूसरे चरण की वोटिंग के लिए 18 अर्क्टूबर 2025 को कई दिग्गज नेताओं ने नामांकन पत्र दाखिल किया। राज्य भर में विभिन्न पार्टियों के प्रर्त्याशियों ने नामांकन के दौरान नेताओं और कार्यकताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। समर्थकों की भीड़ और नारों के बीच उम्मीदवारों ने लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी भागीदारी दर्ज कराई। वहीं नामांकन के समय अजब-गजब भी नजारा देखने को मिला।

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के नामांकन के दौरान एक खखढ उम्मीदवार भैंस पर तो दूसरा बसपा उम्मीदवार हाथी की सवार होकर अपने समर्थकों के संग नामांकन करने के लिए पहुंचा। वहीं एक उम्मीदवार हॉफ पैंट और गंजी में जब पहुंचा तो लोग देखते ही रह गए।

बसपा उम्मीदवार हाथी पर सवार होकर पहुंचे

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के प्रत्याशी धीरज कुमार सिंह ने चैनपुर विधानसभा सीट के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। भभुआ कार्यालय में नामांकन दाखिल करने पहुंचे धीरज हाथी पर सवार होकर नामांकन स्थल पर पहुंचे, जो लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया। जहाँ अन्य उम्मीदवार अपनी गाड़ियों से या पैदल आ रहे थे, वहीं हाथी पर सवार होकर नामांकन करने का यह अंदाज लोगों को आकर्षित कर रहा था। उनकी इस अनोखी एंट्री ने वहां मौजूद सभी लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा।

भैंस पर सवार होकर पहुंचे खखढ उम्मीदवार अरुण यादव

अरवल विधानसभा सीट से तेजप्रताप यादव की पार्टी खखढ के उम्मीदवार अरुण यादव ने सभी हदें पार कर दीं। उन्होंने भैंस पर सवार होकर नामांकन पत्र दाखिल किया। उनके इस अनोखे अंदाज ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा और सोशल मीडिया पर भी यह चर्चा का विषय बन गया।

निर्दलीय प्रत्याशी हाफ पैंट और गंजी पहनकर पहुंचे

वहीं गयाजी जिले के बेलागंज विधानसभा सीट से निर्दलीय प्रत्याशी राहुल रंजन कुमार ने हाफ पैंट और गंजी पहनकर नामांकन दाखिल किया था, जिसने सभी का ध्यान खींचा था। कुछ प्रत्याशी साइकिल पर भी नामांकन करने पहुंचे थे। अब बसपा के प्रत्याशी धीरज कुमार सिंह की हाथी पर सवार होकर नामांकन करने की यह अनोखी शैली भी खूब चर्चा में है।

वजीरगंज से वीरेंद्र सिंह ने दाखिल किया नामांकन

गयाजी के वजीरगंज विधानसभा से बीजेपी के उम्मीदवार वीरेंद्र सिंह ने आज अपना नामांकन दाखिल किया। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी मौजूद रहे। उन्होंने वीरेंद्र सिंह को समर्थन दिया और विजय प्राप्त करने के लिए उत्साहित किया। उनकी मौजूदगी ने नामांकन स्थल पर माहौल को और अधिक राजनीतिक रूप से सक्रिय बना दिया।

कविता पासवान ने दाखिल किया नामांकन

कटिहार जिले की कोढ़ा विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार कविता पासवान ने भी अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। उनके साथ बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद थे। कविता पासवान ने कहा कि जनता के आशीर्वाद से वे इस बार जीत हासिल करेंगी।

मनीष कश्यप ने चनपटिया से दाखिल किया पर्चा

वहीं, जनसुराज आंदोलन के संस्थापक प्रशांत किशोर की पार्टी से मनीष कश्यप ने चनपटिया विधानसभा सीट से अपना नामांकन दाखिल किया। उन्होंने कहा कि वे जनता के मुद्दों को चुनावी केंद्र में लाने का काम करेंगे।

बिहार में आज कुल 20 प्रत्याशियों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। अलग-अलग जिलों में नामांकन केंद्रों पर भारी भीड़ और जोश देखने को मिला। इस प्रक्रिया के साथ बिहार की सियासत का तापमान और बढ़ गया है, और अब प्रत्याशियों के बीच मुकाबला दिलचस्प होने वाला है।

माल थाना क्षेत्र में दबंगों का बोलबाला दर-दर भटक रही पीड़िता

पुलिस नहीं की अभी तक रिपोर्ट मलिहाबाद एसीपी को प्रार्थना पत्र देकर लगाई न्याय की गुहार

(जीएनएस)।

माल, लखनऊ। जहां प्रदेश की योगी सरकार लगातार दबंग के प्रति दिख रही सख्त वही माल पुलिस दबंग के आगे है नतमस्क, एक ऐसा ही मामला प्रदेश की राजधानी लखनऊ के थाना माल क्षेत्र के नबीपनाह का है जहां प्रार्थिनी सरोजिनी पत्नी संजय कुमार निवासी नबीपनाह थाना माल जनपद लखनऊ जो अपने बच्चों के साथ रात घर में खाना खा रहे थे तभी विपक्षी कर सूरज पुत्र मुन्नू व सोनी पत्नी सूरज व सूरज के ससुर मोहनलाल व साले शशांक पुत्र मोहनलाल व विद्यासागर पुत्र मोहनलाल वह अज्ञात कुछ लोगों ने रात लगभग 10:30

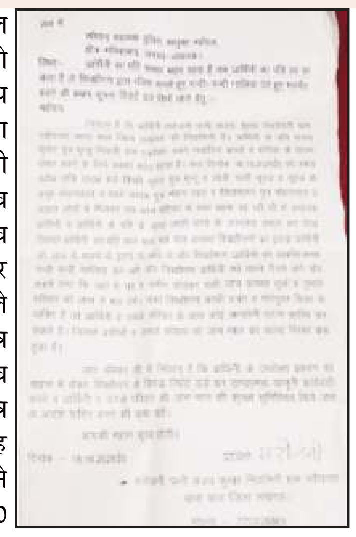

बजे घर में घुसे और लाठी डंडों से हमला कर दिया बड़ी मुश्किल से प्रार्थनी व पति ने बड़ी मुश्किल से अपनी जान बचाई। प्रार्थनी के विरोध करने पर आपत्तिजनक गंदी-गंदी गालियां देने लगे, मारने पीटने लगे और जान से मारने की धमकी देते हुए कहा कि घर वा जमीन छोड़कर यहां से चली जाओ। प्राथमिक का पति अपनी बीवी बच्चों का पालन पोषण करने के लिए घर से बाहर मजदूरी करता है प्रार्थनी माल थाने में प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई लेकिन माल पुलिस ने अभी तक कोई संज्ञान नहीं लिया पीड़ित दर-दर भटक रही। 18 अक्टूबर 2025 को प्रार्थनी ने मलिहाबाद एसीपी को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई अब देखना यहां होगा की मलिहाबाद एसीपी इस मामले पर क्या कार्रवाई करते हैं। या फिर प्रार्थनी ऐसे ही दर दर भटकती रहेगी।

कांग्रेस ने जारी की उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट, इन 5 लोगों को दिया टिकट

(जीएनएस)।

कांग्रेस ने शनिवार को आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए अपनी दूसरी सूची जारी की। इस सूची में पार्टी ने पाँच नए उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं। इससे पहले, कांग्रेस ने अपनी पहली सूची में 48 उम्मीदवारों की घोषणा की थी।

दूसरी लिर्स्ट में कांग्रेस ने नरकटियागंज, किशनगंज, कस्बा, पूर्णिया और गया टाउन विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों का ऐलान किया। पार्टी ने नरकटियागंज से शाश्वत केदार पांडे और किशनगंज से कमरुल होदा को मैदान में उतारा है।

कस्बा से इरफान आलम, पूर्णिया से जितेंद्र यादव और गया टाउन से मोहन श्रीवास्तव चुनाव लड़ेंगे। बिहार की 243 सीटों वाली विधानसभा के लिए मतदान दो चरणों में 6 नवंबर और 11 नवंबर को होगा, जबकि मतगणना 14 नवंबर को निर्धारित है।

राजद और कांग्रेस सहित महागठबंधन, बिहार चुनावों के पहले

चरण के लिए सीटों के समझौते को अंतिम रूप नहीं दे सका, क्योंकि नामांकन प्रक्रिया शुक्रवार को समाप्त हो गई थी। महागठबंधन के घटक दल कुछ सीटों पर "मैत्रीपूर्ण मुकाबला" कर रहे हैं।

झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम), जो पड़ोसी झारखंड में सत्तारूढ़ गठबंधन का नेतृत्व करता है और विपक्षी इंडिया ब्लॉक का हिस्सा है, ने शनिवार को घोषणा की कि वह महागठबंधन के हिस्से के रूप में नहीं, बल्कि स्वतंत्र रूप से बिहार चुनाव लड़ेगा।

जेएमएम के महासचिव और प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने बताया कि पार्टी छह सीटों पर अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। पहले चरण के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर थी, जबकि दूसरे चरण के लिए यह 20 अक्टूबर है।

कांग्रेस ने पहले जारी की थी 48 उम्मीदवारों की लिस्ट

कांग्रेस ने शुक्रवार को अपनी पहली सूची में बिहार विधानसभा चुनावों के लिए 48 उम्मीदवारों की घोषणा की थी। पार्टी ने अपने बिहार इकाई के प्रमुख राजेश राम को कुटुंबा सीट से उम्मीदवार बनाया था।

पहली सूची में सीएलपी नेता शकील अहमद खान का नाम भी शामिल था, जिन्हें कडवा से मैदान में उतारा गया है। कांग्रेस ने राजद सहित महागठबंधन सहयोगियों के साथ सीटों के अंतिम समझौते की घोषणा से पहले अपनी पहली सूची जारी की थी।

पार्टी ने बिहार युवा कांग्रेस के अध्यक्ष प्रकाश गरीब दास को बछवाड़ा से, जयेश मंगल सिंह को बगहा से, अमित गिरी को नौतन से और अभिषेक रंजन को चनपटिया से उम्मीदवार बनाया है।

दीपावली त्यौहार के उपलक्ष पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

पहला/सीतापुर

दीपावली त्यौहार के उपलक्ष में किसान इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा प्रधानाचार्य डॉ. शिवकुमार शर्मा के नेतृत्व में डॉ. राम किशोर एवं संदीप कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में बनाई गई मनमोहक रंगोलियां। विद्यालय के अध्यापकों के द्वारा रंगोलियों का अवलोकन किया गया इन रंगोलियों को विद्यालय के समस्त शिक्षक, कर्मचारियों ने देखकर प्रतिभागी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया साथ ही शुभकामनाएं दीं। विद्यालय के समस्त विद्यार्थी भी इन रंगोलियों को देखकर बहुत प्रसन्न दिखाई दिए। विद्यालय के स्टाफ ने विद्यार्थियों को आगामी त्यौहारों की शुभकामनाएं दीं

ऊर्जा बचाए पृथ्वी बचाए टॉपिक पर के प्रतियोगिता का आयोजन

पहला/सीतापुर

(जीएनएस)।

आज दिनांक 16 अक्टूबर 2025 को किसान इण्टर कॉलेज, सरैया राजा साहब में विद्युत मंत्रालय द्वारा ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) के सहयोग से बच्चों को एक स्थाई भविष्य की दिशा में बदलाव लाने के लिए प्रेरित करने हेतु ऊर्जा संरक्षण पर दो ग्रुपों में राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता में प्रतिभागी बनने हेतु विद्यालय स्तर पर "ऊर्जा बचाए पृथ्वी बचाएं" टॉपिक पर प्रधानाचार्य डॉ. शिव कुमार शर्मा के नेतृत्व में विद्यालय के प्रवक्ता डॉ. राम किशोर व श्री संदीप कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में 2 घंटे की चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा 6 व 7 (ग्रुप ए) के 18 छात्र/छात्रा व कक्षा 8,9,10 (ग्रुप बी) के 29 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभा किया इनमें से ग्रुप ए की दो शीर्ष पेंटिंग व ग्रुप बी की दो शीर्ष पेंटिंग दिनांक 31 अक्टूबर 2025 तक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के नोडल अधिकारी को स्पीड पोस्ट/कोरियर अथवा विशेष वाहक के माध्यम से भेजा जाना है।

इस प्रतियोगिता में बच्चों की पेंटिंग्स को देखकर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. शिवकुमार शर्मा ने बच्चों से पेंटिंग के बारे में पूछताछ की जिससे प्रसन्न होकर बच्चों को शाबाशी दी और ढेर सारा आशीर्वाद दिया । डॉ. शालिक राम, श्रीमती प्रीति यादव,अनिरुद्ध कुमार,रामेंद्र कुमार श्रीवास्तव, शिवाजी वर्मा आदि समस्त शिक्षक व कर्मचारी भी बच्चों की प्रतिभा से आनंदित हुए और उनको ढेर सारा आशीर्वाद दिया।

फास्टैग वार्षिक पास इस दिवाली उपहार स्वरूप

(जीएनएस)।

यात्रा को आसान और आरामदायक बनाने वाला, फास्टैग वार्षिक पास इस त्योहारी सीजन में यात्रियों के लिए एक बेहतरीन उपहार हो सकता है, जो उन्हें देश भर के राष्ट्रीय राजमार्गों और राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे पर साल भर की परेशानी मुक्त यात्रा का अवसर प्रदान करता है। राजमार्गयात्रा ऐप के माध्यम से वार्षिक पास उपहार में दिया जा सकता है। ऐप पर 'पास जोड़ें' विकल्प पर क्लिक करके, उपयोगकर्ता उस व्यक्ति का वाहन नंबर और संपर्क विवरण जोड़ सकते हैं जिसे वे फास्टैग वार्षिक पास उपहार में देना चाहते हैं। एक साधारण ओटीपी सत्यापन के बाद, वार्षिक पास उस वाहन से जुड़े फास्टैग पर सक्रिय हो जाएगा। फास्टैग वार्षिक पास राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकताओं को एक सहज और किफायती यात्रा विकल्प प्रदान करता है और यह पूरे भारत में लगभग 1,150 टोल प्लाजा पर लागू है।

वार्षिक पास, एक वर्ष की वैधता या 200 टोल प्लाजा क्रॉसिंग के लिए 3,000 रुपये के एकमुश्त शुल्क भुगतान के माध्यम से फास्टैग को बार-बार रिचार्ज करने की आवश्यकता को समाप्त करता है। यह पास वैध फास्टैग वाले सभी गैर-व्यावसायिक वाहनों के लिए लागू है। राजमार्गयात्रा ऐप के माध्यम से एकमुश्त शुल्क का भुगतान करने के बाद, वाहन से जुड़े मौजूदा फास्टैग पर वार्षिक पास दो घंटे के भीतर सक्रिय हो जाता है।

15 अगस्त 2025 को शुभारंभ किए गए, फास्टैग वार्षिक पास ने शुभारंभ के दो महीनों के भीतर लगभग 5.67 करोड़ लेनदेन दर्ज करके पच्चीस लाख उपयोगकताओं का ऐतिहासिक आंकड़ा पार कर लिया। फास्टैग वार्षिक पास को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकताओं को प्रदान किए जाने वाले सुगम और निर्बाध यात्रा अनुभव को रेखांकित करती है।

चिराग पासवान को बड़ा झटका, एनडीए की इस 'ग्लैमरस' प्रत्याशी का नामांकन रद्द, आरजेडी की बल्ले-बल्ले

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले ही एनडीए गठबंधन को एक बड़ा झटका लगा है। छपरा जिले की मढ़ौरा विधानसभा सीट से लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की प्रत्याशी सीमा सिंह का नामांकन रद्द कर दिया गया है। सीमा सिंह भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री हैं, जिन्होंने हाल ही में चिराग पासवान की पार्टी से जुड़कर राजनीति में कदम रखा था।

सूत्रों के अनुसार, सीमा सिंह के नामांकन पत्र की जाँच के दौरान कुछ तकनीकी खामियां (ळ्रूॅल्लू' ऋ्६२) पाई गईं, जिसके चलते निर्वाचन अधिकारी ने उनका पर्चा अमान्य घोषित कर दिया। सीमा सिंह का नामांकन रद्द होने के बाद मढ़ौरा सीट पर एनडीए (NDA) की स्थिति कमजोर मानी जा रही है। यह सीट पहले चरण में मतदान के लिए निर्धारित थी, जिसके लिए नामांकन प्रक्रिया अब पूरी हो चुकी है।

मढ़ौरा में बदला चुनावी समीकरण

सीमा सिंह का पर्चा खारिज होने

से मढ़ौरा विधानसभा क्षेत्र का चुनावी समीकरण पूरी तरह बदल गया है। इस सीट पर अब एनडीए का कोई आधिकारिक उम्मीदवार नहीं है, जिससे गठबंधन को बड़ा नुकसान हुआ है। अब यहाँ सीधा मुकाबला आरजेडी और जनसुराज पार्टी के बीच देखने को मिलेगा। आरजेडी के प्रत्याशी जितेंद्र कुमार राय हैं, जो निवर्तमान विधायक हैं और बिहार सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। इस घटना ने मढ़ौरा सीट पर आरजेडी को मजबूत स्थिति में ला दिया है।

कौन हैं सीमा सिंह - 'डांसिंग क्वीन' का सफर

सीमा सिंह भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की एक बेहद लोकप्रिय आइटम सॉन्ग डांसर और अभिनेत्री हैं, जिन्हें उनके ग्लैमर और बेहतरीन डांस मूव्स के कारण 'डांसिंग क्वीन' के नाम से जाना जाता है। उनकी सबसे बड़ी पहचान सुपरस्टार निरहुआ की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'निरहुआ रिक्शेवाला' के गाने 'मिसिर जी तू तो बाड़ बड़ा ठंडा' से बनी। मूल रूप से प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) की रहने वाली सीमा सिंह ने हाल ही में लोजपा (रामविलास) ज्वाइन की थी और पार्टी की प्रदेश महासचिव भी नियुक्त हुई थीं।

सीमा सिंह की शादी नवादा जिले के रहने वाले बड़े ठेकेदार सौरव सिंह से हुई है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा थी कि उनकी एंट्री के पीछे राज्य के एक बड़े नेता की महत्वपूर्ण भूमिका थी, लेकिन नामांकन रद्द होने से उनकी राजनीतिक शुरूआत पर विराम लग गया है।